भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
**लोक सभा**
**तारांकित प्रश्न संख्या 221**
उत्तर देने की तारीख 19 दिसंबर, 2023
28 अग्रहायण, 1945 (शक)

# खेलों को बढ़ावा

**221 श्री कृष्णपालसिंह यादवः**
**श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल:**

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए ऐसी योजनाएं चलाती है जो लिंग निरपेक्ष हैं तथा महिलाओं और वंचित खिलाड़ियों सहित सभी वर्गों की आवश्यकताओं को समान रूप से पूरा करती हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत 'महिलाओं के लिए खेल' सम्बन्धी एक समर्पित उप-घटक है और यदि हां, तो आज की तारीख तक भागीदारी का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने दिव्यांग खिलाड़ियों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने इस प्रयोजनार्थ समर्पित प्रशिक्षण केन्द्रों और स्टेडियमों की स्थापना की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का देश में खेलों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कोई योजना बनाने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में अब तक क्या कदम उठाए गए हैं; और

(च) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान इस संबंध में सरकार द्वारा आवंटित निधियों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री**
**(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)**

(क) से (च) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

****

**"खेलों को बढ़ावा" के संबंध में श्री कृष्णपालसिंह यादव और श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल द्वारा दिनांक 19.12.2023 के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 221 के भाग (क) से (च) के उत्तर में संदर्भित विवरण ।**

(क) 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण देश में जेंडर न्यूट्रल स्पोर्ट्स के संवर्धन सहित खेलों के विकास का उत्तरदायित्व मुख्य रूप से राज्य/संघ राज्यक्षेत्र की सरकारों का होता है । केंद्र सरकार केवल उनके प्रयासों में सहायता करती है । तथापि, यह मंत्रालय देशभर में विभिन्न खेल संवर्धन स्कीमों को कार्यान्वित कर रहा है जो जेंडर न्यूट्रल हैं तथा महिला और लाभवंचित वर्ग के खिलाड़ियों सहित सभी वर्गों की आवश्यकताओं को समान रूप से पूरा करती हैं । इन स्कीमों में (i) खेलो इंडिया- राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम; (ii) राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता; (iii) अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के विजेताओं और उनके कोचों को विशेष पुरस्कार; (iv) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार; (v) मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन; (vi) पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेल कल्याण स्कीम; (vii) राष्ट्रीय खेल विकास निधि; और (viii) भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन शामिल है । इन स्कीमों का विवरण मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है ।

(ख) जी हां । खेलो इंडिया स्कीम के ''महिलाओं के लिए खेल'' नामक उप-घटक के तहत महिला एथलीटों की प्रतिभागिता को प्रोत्साहित करने पर बल दिया जाता है । इस पहल के तहत विभिन्न खेलो इंडिया महिला लीग आयोजित की जा रही हैं । अब तक देशभर में 19 खेल विधाओं में महिला लीग आयोजित की जा चुकी हैं । 52086 प्रतिभागियों के साथ महिला एथलीटों के लिए 479 प्रतियोगिताएं आयोजित की जा चुकी हैं । इस पहल के माध्यम से देशभर में खेलों में महिलाओं की प्रतिभागिता में काफी वृद्धि हुई है और महिला एथलीटों को सभी आयु समूहों में प्रतिस्पर्धा करने, सीखने और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर प्राप्त हुए हैं । 22 अगस्त, 2023 को महिला लीगों के लिए अस्मिता (अचिविंग स्पोटर्स माइलस्टोन बाय इंस्पायरिंग वूमन थ्रू एक्शन) नामक पोर्टल भी शुरू किया गया है । इसके अतिरिक्त, अस्मिता लोगो को खेलो इंडिया महिला लीग के साथ एकीकृत किया गया है जिसकी टैगलाइन ''खेल से ही पहचान'' है और इस प्रकार खेलों के माध्यम से महिला एथलीटों को पहचान दी गई है । खेलो इंडिया स्कीम के तहत प्रतिभावान एथलीटों को खेलो इंडिया गेम्स, राष्ट्रीय चैंपियनशिप, संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघों और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित ओपन सलेक्शन ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर चयनित/ अभिज्ञात भी किया जाता है । अब तक खेलो इंडिया स्कीम के तहत विभिन्न खेल विधाओं में 1341 महिला एथलीटों को अभिज्ञात किया गया है ।

खेलों में महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक विशेष पहल के रूप में मार्च, 2023 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में खेलो इंडिया ''दस का दम'' खेल प्रतियोगिता भी शुरू की गई थी । देशभर के विभिन्न हिस्सों में 1 लाख से अधिक महिला एथलीटों की भागीदारी के साथ 1500 स्पर्धाएं आयोजित की गई ।

(ग) और (घ) : जैसा कि उपर्युक्त (क) में उल्लेख किया गया है, इस मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित स्कीमों के माध्यम से दिव्यांग खिलाड़ियों सहित सभी खिलाड़ियों को सहायता प्रदान की जाती है ।

इस मंत्रालय की खेलो इंडिया स्कीम के तहत संस्वीकृत सभी खेल अवसंरचना दिव्यांगजनों सहित सभी के लिए सुलभ हैं और ये सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार संकल्पित तथा इस मंत्रालय द्वारा जारी दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए सुलभ खेल परिसर और आवासीय सुविधाओं के सामंजस्यपूर्ण दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं ।

इसके अलावा, इस मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा संचालित सभी स्टेडियमों और प्रशिक्षण केंद्रों को दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाया गया है और इन्हें दिव्यांग एथलीटों की सुविधा को सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से उन्नत किया जाता है । गुजरात के गांधीनगर में साई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) को दिव्यांग एथलीटों से संबंधित खेल कार्यकलापों के आयोजन के लिए मुख्य केंद्र के रूप में अभिज्ञात किया गया है ।

इसके अलावा, प्रथम खेलो इंडिया पैरा गेम्स 10 दिसंबर से 17 दिसंबर 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित किए गए हैं ।

(ङ) जी नहीं । जैसा कि उपर्युक्त (क) में उल्लिखित है, इस मंत्रालय द्वारा संचालित सभी खेल संवर्धन स्कीमें जेंडर न्यूट्रल हैं और महिला खिलाड़ियों सहित सभी वर्गों की आवश्यकताओं को समान रूप से पूरा करती हैं ।

(च) इस मंत्रालय में धनराशि स्कीम-वार आवंटित की जाती है, राज्य-वार नहीं । पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान इस मंत्रालय की खेल संवर्धन स्कीमों/कार्यक्रमों के तहत आवंटित धनराशि का विवरण निम्नानुसार है :

| वित्तीय वर्ष | बजट आवंटन (करोड़ रु.) |
|---|---|
| 2020-21 | 1313.40 |
| 2021-22 | 1993.00 |
| 2022-23 | 1907.69 |
| 2023-24 | 2462.59 |

*****